'मोदी ने बड़े-बड़े वादे कर चुनाव जीता फिर देश की सम्पत्तियों को ही बेच डाला'

कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुलाबपुरा में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा

- खड़गे ने अत्याधुनिक गुलाबपुरा डेयरी संयंत्र का लोकार्पण किया।
- खड़गे की सभा में लगभग 60 हजार लोग आए थे।

भीलवाड़ा, 6 सितम्बर (निस)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भीलवाड़ा गुलाबपुरा की धरती पर किसान सम्मेलन को संबोधित करते हुए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला किया और कहा कि, केंद्र की मोदी सरकार ने जनता से बड़े-बड़े वादे करके चुनाव जीता और चुनाव जीतकर धीरे-धीरे उन्होंने देश की कई संपत्तियां ही बेच डालीं। इस पर भी जब उन्हें संतुष्टि नहीं मिली तो उन्होंने जनता पर जी.एस.टी. लगाकर गरीब लोगों को बर्बाद कर दिया। आज केंद्र सरकार खाने-पीने की तमाम वस्तुओं पर जी.एस.टी. लगाकर जनता से भारी भरकम टैक्स वसूल रही है। पेट्रोल, डीज़ल, आटा, गेहूं, चावल, कपड़ा, राशन जैसी सामग्री पर टैक्स लगाकर गरीब जनता को लूटा जा रहा है। सभा में लगभग 60 हजार से ज्यादा की भीड़ नज़र आ रही थी।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे ने आज भीलवाड़ा जिले के गुलाबपुरा कस्बे में भीलवाड़ा डेयरी द्वारा स्थापित, 5 लाख लीटर प्रतिदिन दुग्ध प्रसंस्करण के नवीन संयंत्र, 600 किलो वाट क्षमता के रूफ टॉप सोलर पावर प्लांट, खाद्य प्रबंधन संयंत्र ग्राम बड़ला, बायो मीथेन प्लांट, क्षमता 50 मै. टन गोबर प्रतिदिन, पशु आहार संयंत्र, क्षमता 150 मीट्रिक टन प्रतिदिन तथा मिनरल मिक्सर संयंत्र, क्षमता 12 मीट्रिक टन प्रतिदिन, कुल राशि 222.98 करोड़ रुपए के लोकार्पण एवं शिलान्यास किए।

इस मौके पर आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए खड़गे ने कहा, भाजपा वाले कहते हैं कि, कांग्रेस ने 70 साल में क्या किया, तो हम उनको बता दें, कांग्रेस ने देश को आज़ादी दिलाकर डॉ. अंबेडकर के संविधान को सुरक्षित रखा और आज मोदी सरकार संविधान के साथ खिलवाड़ कर रही है।

खड़गे ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी गांधी परिवार पर आरोप लगाते हैं कि, कांग्रेस एक परिवार की पार्टी है और परिवारवाद को बढ़ाने का काम करती है। तो उन्हें पता होना चाहिए कि, गांधी परिवार ने देश के लिए कुर्बानियां दी हैं, इंदिरा गांधी ने देश के लिए खून का कतरा -कतरा बहा दिया। इसी तरह राजीव गांधी ने देश की एकता व अखंडता के लिए अपनी जान दी और उनके परिवार ने चुनाव जीतकर भी कभी सत्ता का लालच नहीं किया और सोनिया गांधी ने मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री बनाया। अगर राहुल गांधी में भी सत्ता का लालच होता तो वे मनमोहन सिंह को हटाकर कभी के प्रधानमंत्री बन गए होते। खड़गे ने मोदी सरकार को किसान विरोधी बताया।

इससे पूर्व राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जनसभा को संबोधित करते हुए अपनी जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह टोडासरा ने भी भारतीय जनता पार्टी के नेताओं पर कटाक्ष किये।

भाजपा की परिवर्तन यात्राओं के जवाब में कांग्रेस ने भी अपना प्रचार कार्यक्रम तेजी से शुरु कर दिया है। इसी कड़ी में बुधवार को भीलवाड़ा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का आगमन हुआ। खड़गे ने भीलवाड़ा के गुलाबपुरा कस्बे में 5 लाख लीटर प्रतिदिन दुग्ध उत्पादन क्षमता वाले डेयरी प्लांट का उद्घाटन किया। खड़गे ने इसके अलावा 60 के.वी. क्षमता के सोलर पावर प्लांट, बायो मीथेन प्लांट सहित कई जनकल्याणकारी योजनाओं का लोकार्पण किया। खड़गे ने किसानों की विशाल जनसभा को सम्बोधित करते हुये केन्द्र सरकार की गतिविधियों एवं क्रियाकलापों की जमकर आलोचना की। उन्होंने कहा कि, मोदी सरकार देश के संविधान को भारी नुकसान पहुँचाने पर तुली हुई हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, गोविन्द सिंह डोटासरा सहित प्रदेश के कई नेतागण मौजूद थे, उन्होंने भी किसान जनसभा को संबोधित किया।

पी.डब्ल्यु.डी. के तीन इंजीनियर 10 लाख रू. रिश्वत लेते-देते गिरफ्तार

एंटी करप्शन ब्यूरो ने बुधवार को तीनों इंजीनियरों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया

- डूंगरपुर में कार्यरत अधिशाषी अभियंता जितेन्द्र जैन पर विभागीय कार्रवाई नहीं करने की एवज में ली जा रही थी रिश्वत।
- चीफ इंजीनियर सुबोध कुमार मलिक ने घूस की यह रकम बांसवाड़ा में कार्यरत सहायक अभियंता अनंत गुप्ता के मार्फत मंगवाई थी।
- इसी बीच ए.सी.बी. जयपुर की टीम ने चीफ इंजीनियर के निर्माण नगर स्थित आवास पर छापेमारी कर तीनों अफसरों को दबोच लिया।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 6 सितंबर । भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ए.सी.बी.) ने बुधवार को सार्वजनिक निर्माण विभाग (पी.डब्ल्यु.डी.) के 3 इंजीनियरों को 10 लाख रुपए की रिश्वत का लेन-देन करते हुए रंगे हाथों ट्रैप किया है। गिरफ्तार आरोपियों में जयपुर पी.डब्ल्यु.डी. में कार्यरत चीफ इंजीनियर सुबोध कुमार मलिक, डूंगरपुर में कार्यरत अधिशाषी अभियंता जितेन्द्र कुमार जैन और बांसवाड़ा में कार्यरत सहायक अभियंता अनंत कुमार गुप्ता शामिल हैं। ए.सी.बी. ने तीनों अफसरों की गिरफ्तारी के बाद इनके आवास व अन्य ठिकानों पर सर्च की कार्रवाई शुरू कर दी है।

ए.डी.जी. हेमंत प्रियदर्शी ने बताया कि, ए.सी.बी. को सूचना मिली थी कि, डूंगरपुर में कार्यरत पी.डब्ल्यु.डी. के अधिशाषी अभियंता जितेन्द्र कुमार जैन के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जानी थी। उनको इस बारे में नोटिस दिए गए थे। इस नोटिस पर कार्रवाई नहीं करने और फाइल पुटअप नहीं करने की एवज में सुबोध कुमार मलिक, जो कि मुख्य अभियंता हैं, उनको 10 लाख की रिश्वत दी जानी थी।

यह पैसा बांसवाड़ा में कार्यरत सहायक अभियंता अनंत कुमार गुप्ता के मार्फत मुख्य अभियंता तक पहुँचना था।

यह सूचना मिलते ही ए.सी.बी. ने तीनों अधिकारियों को रडार पर लिया और इनका पीछा किया। ए.सी.बी. के उप महानिरीक्षक रणधीर सिंह के सुपरविज़न में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ललित किशोर शर्मा, आलोक शर्मा व पुलिस निरीक्षक हेमंत वर्मा ने चीफ इंजीनियर सुबोध कुमार मलिक के जयपुर में निर्माण नगर स्थित आवास पर छापा मारा और ट्रैप की कार्रवाई करते हुए तीनों को 10 लाख की नकदी के साथ गिरफ्तार कर लिया। अब ए.सी.बी. टीम चीफ इंजीनियर सुबोध कुमार मलिक के निर्माण नगर स्थित आवास, एक्स.ई.एन. जितेन्द्र जैन के आदर्श नगर डूंगरपुर स्थित मकान और सहायक अभियंता अनंत कुमार गुप्ता के बांसवाड़ा स्थित मकान पर सर्च की कार्रवाई कर तलाशी लेने में जुटी है।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस के पोते ने भाजपा छोड़ी

कोलकाता, 6 सितम्बर। नेताजी सुभाष चंद्र बोस के पोते चंद्र कुमार बोस ने लोकसभा चुनाव 2024 से पहले मतभेदों का हवाला देते हुए बुधवार को भाजपा से इस्तीफा दे दिया। चंद्र कुमार बोस 2016 में पश्चिम बंगाल में भाजपा के उपाध्यक्ष थे और 2020 में उन्हें हटा दिया गया था। अपने त्याग पत्र में उन्होंने लिखा है उन्होंने कहा कि उन्हें बोस भाइयों-सुभाष चंद्र बोस और शरत चंद्र बोस की विचारधारा का प्रचार करने के लिए भाजपा से न तो केंद्र या राज्य स्तर पर कोई समर्थन नहीं मिला।

- नेताजी के पोते चंद्र कुमार बोस ने लोक-सभा चुनाव 2024 से पहले मतभेदों का हवाला देते हुए भाजपा से इस्तीफा दे दिया। चंद्र कुमार बोस 2016 में प. बंगाल में भाजपा के उपाध्यक्ष थे और 2020 में उन्हें हटा दिया गया था।

''एक राष्ट्र एक चुनाव'' की कवायद में तेजी, पूर्व राष्ट्रपति के आवास पर होगी बैठक

- यह मुद्दा विपक्ष को परेशान कर सकता है। अगर एक देश एक चुनाव का नियम लागू किया जाता है तो पश्चिम बंगाल में टी.एम.सी. कांग्रेस और वाम दलों के बीच लोकसभा और विधानसभा दोनों चुनावों के लिए गठबंधन मुश्किल हो सकता है।
- इसका बड़ा कारण यह है कि, इन राज्यों में टी.एम.सी व वामदलों सहित कई पार्टियों ने निर्धारित किया है कि, वे केवल लोकसभा चुनाव साथ मिलकर लड़ेंगे और विधानसभा चुनाव सभी पार्टियां अलग लड़ेंगी।

नई दिल्ली, 6 सितम्बर। भारत में एक साथ पंचायत से पार्लियामेंट तक के चुनाव करवाने की दिशा में सरकार लगातार आगे बढ़ रही है। हाल ही में इसके लिए एक कमेटी का गठन किया गया था, जिसकी अध्यक्षता देश के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद करेंगे। इस कमेटी में गृह मंत्री अमित शाह और लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता अधीर रंजन चौधरी सहित सात लोगों का नाम शामिल है। हालांकि, अधीर रंजन ने इसमें शामिल होने से इनकार कर दिया है।

अब सूत्रों के हवाले से खबर आ रही है कि आज रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में उनके आवास पर इसकी पहली बैठक होने वाली है।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भी एक राष्ट्र, एक चुनाव अभियान की आलोचना की है। राहुल ने इसे भारतीय संघ और उसके सभी राज्यों पर हमला करार दिया है। केंद्र सरकार के एक देश, एक चुनाव अभियान पर राहुल गांधी ने रविवार को ट्वीट किया, इंडिया, यानी भारत, राज्यों का एक संघ है। एक राष्ट्र, एक चुनाव का विचार भारतीय संघ और उसके सभी राज्यों पर हमला है।

यह मुद्दा विपक्ष को परेशान कर सकता है। अगर एक देश एक चुनाव का नियम लागू किया जाता है तो पश्चिम बंगाल में टीएमसी, कांग्रेस और वाम दलों के बीच लोकसभा और विधानसभा दोनों चुनावों के लिए गठबंधन मुश्किल हो सकता है। साथ ही आप और कांग्रेस के बीच पंजाब और दिल्ली में भी तकरार की संभावना होगी। आपको बता दें कि समाजवादी पार्टी मध्य प्रदेश चुनाव में कुछ सीटों पर पहले ही उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर चुकी है।

कर्नाटक के गृह मंत्री ने हिन्दू धर्म की उत्पत्ति पर सवाल उठाये

तुमकुर, 6 सितम्बर (वार्ता)। तमिलनाडु के खेलमंत्री उदयनिधि स्टालिन की ओर से सनातन धर्म विरोधी टिप्पणी के कुछ दिनों बाद, कर्नाटक के गृह मंत्री डा. परमेश्वर ने हिंदू धर्म की उत्पत्ति पर सवाल उठा कर एक और विवाद उत्पन्न कर दिया है।

डॉ. परमेश्वर ने कहा,दुनिया के इतिहास में कई धर्म उभरे हैं। जैन धर्म और बौद्ध धर्म की उत्पत्ति यहीं हुई। हिंदू धर्म की उत्पत्ति कब हुई और इसे किसने बनाया। यह अभी भी एक सवाल है। बौद्ध धर्म की उत्पत्ति हमारे देश में हुई। जैन धर्म की उत्पत्ति हमारे देश में हुई। इस्लाम और ईसाई धर्म विदेश से हमारे देश में आये।

उदयनिधि की विवादास्पद टिप्पणी के बाद, डॉ. परमेश्वर ने कोराटागेरे के मारुति कल्याण मंडपम में शिक्षक दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम में यह बयान दिया।

इससे पहले, उदयनिधि ने कहा था कि भारत से सनातन धर्म को खत्म कर देना चाहिए। उन्होंने सनातन धर्म की तुलना डेंगू और मलेरिया से की।

इस बयान ने पूरे भारत में उथल-पुथल मचा दी। उदयनिधि की टिप्पणी को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इंडिया ब्लॉक के खिलाफ तीखा हमला बोला और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री व द्रमुक प्रमुख एमके स्टालिन के पुत्र से माफी की मांग की।

'संसद के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्राकृतिक आपदाओं द्वारा उत्पन्न स्थिति।

अगर सरकार इन या इनमें से किन्हीं मुद्दों पर चर्चा करना नहीं चाहती है तो यह संभावित हो सकता है कि संसद का यह विशेष सत्र भी हंगामे की भेंट चढ़ जाए।

पाँच राज्यों के आगामी विधानसभा चुनावों को मद्देनज़र रखते हुये, यह भी संभावित है कि सत्तारूढ़ गठबंधन एवं विपक्षी दल- दोनों ही राजनैतिक मुद्रा में नज़र आयें। ऐसी भी अटकलें हैं कि विशेष सत्र के दौरान, सरकार ''एक राष्ट्र, एक चुनाव'' की अपनी योजना को सामने ले आये।

इंडिया बनाम भारत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

20 के रात्रि भोज हेतु भेजे निमंत्रण में अपना पद परम्परागत ''प्रैसिडैंट ऑफ इंडिया'' की बजाय ''प्रैसिडैंट ऑफ भारत'' लिखा और भाजपा ने प्रधानमंत्री की इंडोनेशिया यात्रा का एक दस्तावेज साझा किया जिसमें उन्हें ''प्राइम मिनिस्टर ऑफ भारत'' कहा गया है।

मंगलवार को कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर कहा, ''मोदी इतिहास को बिगाड़ने और इंडिया को खंडित करने में जुटे रह सकते हैं जो भारत है और संघीय गणतंत्र है। लेकिन हम विचलित नहीं होंगे। आखिर इंडिया गठबंधन की पार्टियों का उद्देश्य क्या है? यह है ''भारत'' ब्रिंग हार्मनी, एमिटी, रीकंसीलिएशन एंड ट्रस्ट, हमारा नारा है, जुड़ेगा भारत, जीतेगा इंडिया।''

थरूर ने मंगलवार को कहा कि हालांकि इंडिया को भारत कहने में कोई संवैधानिक अडचन नहीं है, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि सरकार इतनी मूर्ख नहीं है कि इंडिया नाम को पूरी तरह त्याग दे जिसके साथ अमूल्य ब्रांड वैल्यू जुड़ी हुई है।

कांग्रेस सांसद ने दावा किया कि इंडिया नाम पर ऐतराज पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना ने किया था क्योंकि इससे आभास होता था कि ''यह देश ब्रिटिश राज का उत्तराधिकारी है और पाकिस्तान एक विच्छेदक देश है।

भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कल रात प्रधानमंत्री की इंडोनेशिया यात्रा का एक दस्तावेज साझा किया जिसमें उन्हें ''प्राइम मिनिस्टर ऑफ भारत'' कहा गया है। अब 9 और 10 सितम्बर को जी-20 सम्मेलन में भारतीय अधिकारियों के परिचय पत्र पर भी लिखा होगा ''भारत-ऑफिशियल''।

'पुतिन और जिनपिंग ना आयें तो भारत को कोई फर्क नहीं पड़ता'

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने, इस प्रकार की टिप्पणी कर जिनपिंग और पुतिन के नहीं आने की बात को पूरी तरह से नज़रअंदाज़ कर दिया

- जयशंकर ने यह भी कहा कि, सबसे अहम बात यह है कि, जो कोई भी नेता दिल्ली आ रहे हैं कम से कम वे इतने सक्षम होने चाहिये कि, अपने देश की स्थिति को सही ढंग से जी-20 के मंच पर प्रस्तुत कर सकें।
- जयशंकर ने कहा, ''मुझे विश्वास है कि, दिल्ली आने वाले जी-20 प्रत्येक व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी को समझेगा...कि दुनिया के अन्य 180 देश दिशा-निर्देश तय करने के लिए उनकी ओर देख रहे हैं और वे उन्हें विफल करने का जोखिम नहीं उठा सकते।''

नई दिल्ली, 6 सितम्बर। जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए भारत में मंच सज चुका है। 9 और 10 सितंबर दिल्ली के प्रगति मैदान में होने वाले इस शिखर सम्मेलन को सफल बनाने के लिए मेजबान भारत पूरी कोशिश कर रहा है। जी-20 समिट में कई देशों के शीर्ष नेता आ रहे हैं, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन भी शामिल हैं। वहीं, ये कंफर्म हो चुका है कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी प्रेजिडेंट व्लादिमीर पुतिन बैठक में हिस्सा नहीं लेंगे। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दोनों नेताओं के बारे में बड़ी बातें बोली हैं। उन्होंने कहा कि शी जिनपिंग का न आना कोई असामान्य बात नहीं है, पहले भी कई नेता शिखर सम्मेलनों में ऐसा कर चुके हैं। उधर, पुतिन की तरफ से विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव भारत आ रहे हैं। जयशंकर ने कहा कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि सम्मेलन में कौन आ रहा है, अहम बात यह है कि वह अपने देश की स्थिति को सही ढंग से पेश कर सके।

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने साक्षात्कार में कहा, जी20 सदस्यों के शेरपा या देश के प्रतिनिधि आम सहमति बनाने और नई दिल्ली में शिखर सम्मेलन में एक घोषणा पर पहुंचने के लिए बातचीत कर रहे हैं।

जयशंकर ने अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव-जो राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के स्थान पर शिखर सम्मेलन में मास्को का प्रतिनिधित्व करेंगे-की धमकी को भी अधिक महत्व नहीं दिया कि रूस शिखर सम्मेलन से किनारा कर देगा अगर उसे ऐसा लगे कि समिट में यूक्रेन और अन्य संकटों पर मास्को को गलत दिखाया जाए। जयशंकर ने कहा कि समिट में आने वाला कोई भी देश का प्रतिनिधि अपनी बातचीत की स्थिति को अधिकतम करने की कोशिश करता है।

सुप्रीम कोर्ट बार-बार ई.वी.एम. की याचिकाओं की सुनवाई करने से नाराज हुआ

सुप्रीम कोर्ट ने वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण पर गुस्सा जाहिर करते हुये कहा कि, कोर्ट एक ही याचिका पर और कितनी बार सुनवाई करेगा

- सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) के जरिए डाले गए सभी वोटों को वीवीपैट पेपर ट्रेल्स के साथ सत्यापित करने की याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया।

नई दिल्ली, 6 सितम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) के जरिए डाले गए सभी वोटों को वीवीपैट पेपर ट्रेल्स के साथ सत्यापित करने की याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि ऐसी याचिकाएं हर साल भारत के चुनाव आयोग समान मुद्दों को उठाते हुए दायर की जाती हैं। यहां तक कि भारत के चुनाव आयोग का दावा है कि त्रुटि की किसी भी गुंजाइश को ठीक कर दिया गया है। जस्टिस संजीव खन्ना और एसवीएन भट्टी की बेंच ने एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा, हम इस मामले को नवंबर में सूचीबद्ध करेंगे। हम कितनी बार इस मुद्दे से निपटते हैं। इस आधार पर हर साल एक नई याचिका दायर की जाती है। इसके अलावा और भी जरूरी मामले हैं। यह कोई आपराधिक मामला नहीं है।

सुनवाई के दौरान एनजीओ की तरफ से पेश वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि चूंकि चुनाव नजदीक आ रहे हैं, इसलिए इसकी तत्काल आवश्यकता है। इस पर पीठ ने कहा, ''प्रशांत भूषण जी, यह मुद्दा कितनी बार उठाया जाएगा? इसमें कोई शीघ्रता नहीं है। इसे उचित समय पर आने दीजिए...।'' पीठ ने कहा, प्रशांत भूषण ने अनुरोध किया है और उन्हें प्रत्युत्तर हलफनामा दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया जाता है। याचिका को नवंबर में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करें।

एडीआर का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील प्रशांत भूषण ने अदालत को बताया कि पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव इस साल के अंत तक होने वाले हैं और उन्होंने जल्द तारीख की मांग की। उन्होंने कहा, इस याचिका को निरर्थक मत बनाइए। यह मुद्दा लोकतंत्र की जड़ तक जाता है। पीठ ने भूषण से कहा, चुनाव आयोग ने एक हलफनामा दायर किया है जहां उसने कहा है कि सभी संभावित त्रुटियों को ठीक कर लिया गया है। हम उचित समय पर इस पर विचार करेंगे। यदि कोई प्रभावी आदेश पारित किया जाना है, तो यह भविष्य के चुनावों पर लागू होगा।

एडीआर ने मतदाताओं की संतुष्टि के लिए संबंधित मतदाता सत्यापन योग्य पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) के साथ सभी ईवीएम वोटों के क्रॉस-सत्यापन की मांग की थी। इसका चुनाव आयोग ने विरोध किया, जिसने 124 पन्नों का एक विस्तृत हलफनामा दाखिल किया।

एन.डी.ए. ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अनिल बलूनी की अध्यक्षता में 11 प्रवक्ताओं का एक पैनल बनाया गया है। इससे पूर्व एन.डी.ए. के घटक दलों के 76 प्रवक्ताओं को एक दिन का प्रशिक्षण दिया गया था। मीडिया रणनीति से संबंधित यह विशेष प्रशिक्षण, भाजपा सहित सभी घटक दलों को 11 अगस्त को दिया गया था। प्रवक्ताओं की इस टीम में बलूनी के अतिरिक्त शामिल अन्य लोग हैं-सुधांशु त्रिवेदी, गौरव भाटिया, सम्बित पात्रा तथा शहज़ाद पूनावाला। अन्य पार्टियों के लोगों में शामिल हैं-एन.सी.पी. के बृजमोहन श्रीवास्तव तथा लोक जनशक्ति पार्टी के धीरेन्द्र कुमार मुन्ना। 11 अगस्त को हुई पहली मीटिंग में उपस्थित एक नेता ने ''इंडिया'' ब्लॉक के लिये प्रयुक्त ''घमंडिया'' शब्द का उदाहरण दिया था। एन.डी.ए. के पार्टनरों से कहा गया था कि वे अपने बयानों तथा मीडिया डिबेटों में इस शब्द को काम में लें।

'उदयनिधि की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उदयनिधि भी लगभग वैसा ही कर रहे हैं ताकि लक्षित लाभ ओ.बी.सी. तथा अनुसूचित जाति व जन जाति को मिल सके। अब उदयनिधि ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सनातन धर्म वालों द्वारा नए संसद भवन के उद्घाटन मे न बुलाने का उदाहरण दिया है।

गणेश चतुर्थी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखा इस संबंध में अपनी चिंता व्यक्त करते हुये, इस बात पर जोर दिया है कि किसी साझा एजेंडा की गैर मौजूदगी के कारण, विशेष सत्र के दौरान, मानसून सत्र के नौ लंबित मुद्दों पर चर्चा की अनुमति प्रदान की जाये।

सुप्रीम कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गिल्ड के चार सदस्यों के खिलाफ दर्ज दूसरी एक एफ.आई.आर. में मानहानि का अतिरिक्त आरोप लगाया है। रविवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट में, गिल्ड ने राज्य में इन्टरनैट बंद कर दिये जाने की कटु आलोचना करते हुये, इसे मीडिया-रिपोर्टिंग के लिये नुकसानदायक बताया था। गिल्ड ने इसकी आलोचना करते हुए कहा था कि कुछ मीडिया-प्रतिष्ठान इकतरफा रिपोर्टिंग कर रहे हैं। गिल्ड ने दावा किया था कि ऐसे संकेत हैं कि राज्य का नेतृत्व संघर्ष काल में ''पक्षपातपूर्ण बन गया था।''

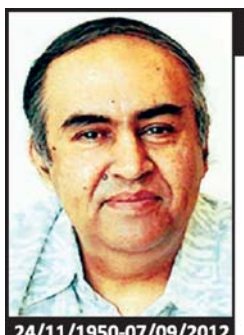

Remembering Our Dearest

DR. RAKESH HOOJA

A Star Forever Shining

Meenakshi Hooja (Wife),
Rima Hooja (Sister),
Rajat-Himangini
(Son & Daughter-In-Law)
Rakshat Hooja (Son)
and all Family

24/11/1950-07/09/2012

11, Uniara Bagh, Jaipur-302004 (M) 98293-21444, 94133-37959

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908